Naveen Shodh Sansar (An International Refereed/ Peer Review Research Journal)
RNI No.- MPHIN/2013/60638, ISSN 2320-8767, E- ISSN 2394-3793, Scientific Journal Impact Factor (SJIF)- 7.671
January to March 2024, E-Journal, Vol. I, Issue XLV

केन्द्रीय एवं नवोदय विद्यालय के विद्यार्थियों के समायोजन के स्तर का लिंग तथा विषय वर्ग के संदर्भ में तुलनात्मक अध्ययन

डॉ. जे. एस. भारद्वाज* संदीप कुमार डॉ. अन्शु शर्मा *****

* आचार्य, पूर्व संकायाध्यक्ष शिक्षा संकाय एवम् विभागाध्यक्ष (शिक्षा) चौ. चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ (उ.प्र.) भारत
** शोध छात्र (शिक्षा) चौ. चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ (उ.प्र.) भारत
*** सह आचार्य (शिक्षा) आई.ई.टी. इंस्टिट्यूट, अबुपुर, मोदी नगर, गाजियाबाद (उ.प्र.) भारत

शोध सारांश – इस शोध कार्य का उद्देश्य केन्द्रीय एवं नवोदय विद्यालयों के उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के समायोजन के स्तर का **लिंग तथा विषय वर्ग के संदर्भ मे तुलनात्मक अध्ययन** करना है। इस हेतु 400 विद्यार्थियों का चयन रेंडम सेम्पलिंग तकनीक के माध्यम से किया गया है। **समायोजन के स्तर के मापन के लिए प्रो0 वी0 के0 मित्तल द्वारा निर्मित समायोजन अनुसूची** का प्रयोग **किया** गया **है। इस अनुसूची के प्रयोग से विद्यार्थियों की समायोजन क्षमता** का **मापन किया है। प्रस्तुत समायोजन अनुसूची चार भागों में विभक्त की गयी है। इस प्रकार विद्यार्थियों के समायोजन के** स्तर को मापने के लिए प्रमापीकृत शोध उपकरण प्रयोग में लाया गया है। आकड़ों के विश्लेषण के लिए मध्यमान मानक विचलन एवं क्रांतिक अनुपात तकनीक को प्रयुक्त किया गया है। शोध निष्कर्ष से ज्ञात हुआ है कि **केन्द्रीय एवं नवोदय विद्यालयों के माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के समायोजन के** स्तर में सार्थक अंतर पाया गया है। परन्तु लिंग के आधार पर विभक्त आकड़ो के विश्लेषण से ज्ञात हुआ है कि **केन्द्रीय एवं नवोदय विद्यालयों के माध्यमिक स्तर के छात्र एवं छात्राओं के समायोजन के स्तर** में सार्थक अंतर नही पाया गया है।

शब्द कुंजी – समायोजन केन्द्रीय विद्यालय नवोदय विद्यालय उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों।

प्रस्तावना – विद्यालय सामाजिक परिस्थितियों के संदर्भ मे बालक को शिक्षा देते है, जिसमें वह अपने व्यवहार संरचना व अभिवृतियों को अपने दृष्टिकोण के अनुकूल संगठित कर सकता है, जो उसके सामाजिक समूह और स्वयं के लिये संतोषजनक है। वर्तमान समय में सामाजिक जटिलताओं को सीखने हेतु समुदाय सामाजिक संस्थानों में शिक्षा की व्यवस्था करता है। लेकिन इनका सम्बन्ध अधिकतर विद्यार्थी की शैक्षिक और वास्तविक आवश्यकताओं से नही होता है। अपनी आवश्यकताओं के पूर्ण नहीं होने के कारण विद्यार्थी को तनाव महसूस होता है। वर्तमान सामाजिक अनुबन्ध में उनको भविष्य के जीवन के लिये तैयार किया जाता हैं। जिससे वह अपने को सन्तोषजनक रूप में समाज व स्कूल में समायोजित कर सके। शिक्षा मनोविज्ञान के अनुसार, प्राणी विशेष कर परस्पर विरोधी आवश्यकताओं को एक विशेष वातावरण में संतुलित करने की व्यवहारिक प्रक्रिया को समायोजन कहा जाता हैं। वातावरण की बाधाओं एवं समस्याओं के सन्दर्भ में किसी व्यक्ति विशेष के व्यवहार में होने वाले परिवर्तन ही उसके वातावरण के साथ समायोजन को इंगित करते हैं। समायोजन ही जीवन है अर्थात् समायोजन एक महत्वपूर्ण मनोवैज्ञानिक प्रत्यय है। प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में अनेक समस्यायें उत्पन्न होती रहती है। ये व्यक्ति के बाह्य और आन्तरिक वातावरण के कारण होती है। इन समस्याओं का समाधान हुए बिना व्यक्ति के व्यक्तित्व में सन्तुलन नहीं रह पाता। परिणामस्वरूप भिन्न-भिन्न प्रकार की कुण्ठाएं, भय, तनाव, द्वन्द्व आदि उत्पन्न होने लगते है। इन सबसे बचने के लिए व्यक्ति को विशेष प्रयास करने पड़ते है। इन प्रयत्नों को ही समायोजन कहा जाता है।

समायोजन की अवधारणा मानव जाति के समान प्राचीन है। इन अवधारणाओं की व्याख्या करने का कार्य डार्विन से आरम्भ होता है। जैव-वैज्ञानिक डार्विन के अनुसार समायोजन एक जैविक कार्य प्रणाली थी, जिसके अन्तर्गत मनुष्य स्वयं को वातावरण के खतरों को समझते हुए स्वयं को अनुकूलित कर परिस्थिति में सामंजस्य स्थापित करता था। मनुष्य स्वभाव से ही अनुकूलित प्राणी है, वह परिस्थिति के बदलने के साथ-साथ संघर्ष कर स्वयं को अनुकूलित करता था।

विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थी अपने परिवार, माता-पिता, मित्र मण्डली, वातावरण एवं विद्यालयों के शिक्षकों आदि अनेक घटकों से समायोजन करना सीखते हैं। विद्यार्थियों का सामाजिक आर्थिक स्तर उनके समायोजन को स्तर को प्रभावित करता है। पारिवारिक वातावरण उनके संवेगात्मक समायोजन एवं विद्यालय वातावरण शैक्षिक समायोजन को प्रभावित करता है। विद्यार्थियों के असमायोजित होने पर विद्यार्थी अनेक मानसिक व्यावधाओं से प्रभावित होते हैं, जिस कारण विद्यार्थी तनाव दबाव, कुण्ठा आदि बीमारीयों से ग्रसित हो जाते हैं। अनेक शोध अध्ययनों से यह ज्ञात होता है कि मानसिक स्वास्थ्य एवं समायोजन के मध्य सकारात्मक सहसम्बन्ध पाया जाता है। **लैण्डिस तथा बॉल्स के अनुसार,** 'समायोजन का अर्थ है नित्य प्रति के जीवन के मतभेदों, अन्तद्वन्द्वों और निर्णयों को व्यवस्थित, क्रमबद्ध और एकरस बना लेना अथवा अपने अस्तित्व को बनाये रखने के लिए व्यवहारिक तत्वों में नियमन या व्यवस्थापन कर लेना।' **बोरिंग, लैंगफील्ड एवं वेल्ड,** के अनुसार 'समायोजन वह प्रक्रिया है, जिसके द्वारा प्राणी अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति को प्रभावित करने वाली

परिस्थितियों में संतुलन बनाए रखता है। **कोलमन (1924)**, 'समायोजन एक सतत प्रक्रिया है, जिसके माध्यम से मानव अनेक व्यवहारों को प्रस्तुत करता है, तथा साथ ही साथ पर्यावरण में पूर्ण सामंजस्य संबंधो का निर्माण करता है।' **हेनरी सी0 स्मिथ(1998)**, के अनुसार,'अच्छे समायोजन से तात्पर्य है, जो कि यथार्थ पर आधरित हो तथा संतोष देने वाला हो। कम से कम वह भविष्य में व्यक्ति की कुण्ठाओं, तनावों एवं दुश्चिन्ताओं को कम कर सके, जिसका होना अनिवार्य हो।' अच्छे समायोजन के लिए निम्नलिखित उपाय किये जा सकते हैं:

1. माता-पिता को बच्चों के प्रति सहानुभूति और वात्सल्यपूर्ण दृष्टिकोण रखना चाहिए।
2. माता-पिता घर पर स्वस्थ वातावरण प्रदान करें तथा वे स्वयं भी आदर्श के रूप प्रस्तुत करने का प्रयत्न करें।
3. बच्चों को न तो अधिक सुरक्षा प्रदान की जाये और न ही उनमें असुरक्षा की भावना पैदा हो।
4. माता-पिता अपने बच्चों के शिक्षकों से भी मिलते रहें, और उनकी समस्याओं के बारे में विचार-विमर्श करें।
5. शिक्षक का कार्य मात्र शिक्षण करना ही नहीं होता है, उसे चाहिये कि वह स्कूल में स्वस्थ वातावरण भी पैदा करें।
6. स्कूल का वातावरण पूर्ण रूप से स्वतंत्र होना चाहिएजिसमें छात्र प्रश्न पूछ सकें तथा पूर्ण रूप से आत्म-अभिव्यक्ति कर सके।
7. अध्यापक छात्रों की ओर व्यक्तिगत ध्यान दें और शिक्षा को बाल केन्द्रित शिक्षा बनाये। विद्यालयों को घरों के साथ अच्छे सम्बन्ध स्थापित करने का प्रयत्न करना चाहिये।

शोध साहित्य की समीक्षा

लेंज, सुनीता (1986), चौरसिया (1993), उपाध्याय (2000), गुप्ता कल्पना (2000), शर्मा (2003), महला (2004), फादरहुड (2005), सबरवाल (2011), मेहता एवं खन्ना (2015), रानी (2017), तिवारी (2018), शर्मिला एवं सालोमन (2020) ने समायोजन से सम्बन्धित शिक्षा के विभिन्न स्तरों पर शोध अध्ययन किए। चौधरी (1990), अरोड़ा (1998), शिवकांत (1991), शर्मा (1993), त्यागी (1994), ने शैक्षिक आकांक्षा से सम्बन्धित शिक्षा के विभिन्न स्तरों पर शोध अध्ययन किये तथा वेद प्रकाश (1994), सिंह एवं वर्मा (1995), चौहान (1995), मावी (1997) थिलका एवं जौकात (2002), सैनी (2004), जोशी (2008), भारद्वाज व शर्मा (2012), वी0 ठाकुर (2014), प्रकाश एवं हुड्डा (2018), चतुर्वेदी (2021), अमिनी व अन्य (2023) ने शैक्षिक उपलब्धि, आकांक्षा स्तर तथा सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति व अन्य चरों से सम्बन्धित शिक्षा के विभिन्न स्तरों पर शोध अध्ययन किये।

शोध अध्ययन के उद्देश्य:

1. केन्द्रीय एवं नवोदय विद्यालयों के उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के समायोजन की तुलना करना।
2. केन्द्रीय एवं नवोदय विद्यालयों के उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के गृह समायोजन की तुलना करना।
3. केन्द्रीय एवं नवोदय विद्यालयों के उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के सामाजिक समायोजन की तुलना करना।
4. केन्द्रीय एवं नवोदय विद्यालयों के उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के स्वास्थ्य एवम् संवेगात्मक समायोजन की तुलना करना।
5. केन्द्रीय एवं नवोदय विद्यालयों के उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के विद्यालय समायोजन की तुलना करना।
6. केन्द्रीय एवं नवोदय विद्यालयों के उच्चतर माध्यमिक स्तर के छात्र एवं छात्राओं के समायोजन के समस्त आयामों एवं पृथक-पृथक आयाम (गृह, सामाजिक, स्वास्थ्य एवं संवेगात्मक तथा विद्यालय समायोजन) की तुलना करना।
7. केन्द्रीय एवं नवोदय विद्यालयों के उच्चतर माध्यमिक स्तर के कला एवं विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों के समायोजन के समस्त आयामों एवं पृथक-पृथक आयाम (गृह, सामाजिक, स्वास्थ्य एवं संवेगात्मक तथा विद्यालय समायोजन) की तुलना करना।

आंकड़ों का विश्लेषण

परिकल्पना 1.0 केन्द्रीय एवं नवोदय विद्यालयों के उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के समायोजन के मध्य सार्थक अन्तर नहीं है।अग्रलिखित तालिका के द्वारा केन्द्रीय एवं नवोदय विद्यालयों में अध्ययनरत् उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के समायोजन से सम्बन्धित आंकड़ो के मध्य तुलनात्मक विवरण एवं सांख्यिकीय विश्लेषण का तालिकाकरण किया गया है।

तालिका संख्या 1.0: केन्द्रीय एवं नवोदय विद्यालयों में अध्ययनरत उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के समायोजन का मध्यमान, मानक विचलन एवं क्रान्तिक अनुपात का तुलनात्मक विवरण

चर	विद्यालय	कुल विद्यार्थी	मध्यमान	मानक विचलन	सी.आर. मान	सार्थकता
समायोजन	केन्द्रीय विद्यालय	200	180.23	40.462	2.132	0.05 स्तर पर सार्थक
	नवोदय विद्यालय	200	186.78	46.731		

मध्यमान की प्रमाणिक त्रुटि (केन्द्रीय विद्यालयों के विद्यार्थी) : 1.724
मध्यमान की प्रमाणिक त्रुटि (नवोदय विद्यालयों के विद्यार्थी) : 1.023
प्रमाणिक त्रुटि का अन्तर (Standard error of difference) : 0.328
विद्यार्थियों की संख्या : (200+200) = 400
स्वतन्त्रता का अंश (df) : 398
क्रान्तिक अनुपात का गणनात्मक मान : 2.132
तालिका मान : 0.05 स्तर पर 1.96 व 0.01 पर 2.58

उपरोक्त तालिका का अवलोकन करने से ज्ञात हुआ है कि, केन्द्रीय एवं नवोदय विद्यालयों के विद्यार्थियों के समायोजन स्तर पर क्रान्तिक अनुपात का गणनात्मक मान 2.132 प्राप्त हुआ है। क्रान्तिक अनुपात का गणनात्मक मान तालिका मान से सार्थकता के स्तर 0.05 पर अधिक है, परिणामतय: दोनो मध्यमानों के मध्य अन्तर सार्थक है। अत: पूर्व निर्धारित शून्य परिकल्पना अस्वीकृत की जाती है। केन्द्रीय एवं नवोदय विद्यालयों के विद्यार्थियों के समायोजन स्तर में सार्थक अन्तर पाया गया है। दोनों प्रकार के विद्यालयों के विद्यार्थियों में समायोजन से सम्बन्धित मध्यमानों के मध्य जो अन्तर परिलक्षित हो रहा है वह सार्थक है।

परिकल्पना 2.0 केन्द्रीय एवं नवोदय विद्यालयों के उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के गृह समायोजन में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
अग्रलिखित तालिका के द्वारा केन्द्रीय एवं नवोदय विद्यालयों के विद्यार्थियों के गृह समायोजन आयाम से सम्बन्धित आंकड़ो के मध्य तुलनात्मक विवरण

एवं सांख्यिकीय विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है।

तालिका संख्या 2.0: केन्द्रीय एवं नवोदय विद्यालयों के उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के गृह समायोजन के मध्यमान, मानक विचलन एवं क्रान्तिक अनुपात मान का तुलनात्मक विवरण।

चर	विद्यालय	कुल विद्यार्थी	मध्यमान	मानक विचलन	सी.आर. मान	सार्थकता
गृह समायोजन	केन्द्रीय विद्यालय	200	44.62	13.595	2.177	0.05 स्तर पर सार्थक
	नवोदय विद्यालय	200	41.40	15.848		

मध्यमान की प्रमाणिक त्रुटि (केन्द्रीय विद्यालयों के विद्यार्थी) : 1.301
मध्यमान की प्रमाणिक त्रुटि (नवोदय विद्यालयों के विद्यार्थी) : 1.041
प्रमाणिक त्रुटि का अन्तर (Standard error of difference) : 0.030
विद्यार्थियों की संख्या : (200+200) = 400
स्वतन्त्रता का अंश (df) : 398
क्रान्तिक अनुपात का गणनात्मक मान : 2.177
टी का तालिका मान : 0.05 स्तर पर 1.96 एवं 0.05 स्तर पर 2.58

उपरोक्त तालिका का अवलोकन करने से ज्ञात हुआ है कि, केन्द्रीय एवं नवोदय विद्यालयों के विद्यार्थियों के गृह समायोजन के मध्य क्रान्तिक अनुपात का गणनात्मक मान 2.177 ज्ञात हुआ है। क्रान्तिक अनुपात का गणनात्मक मान, तालिका मान से सार्थकता के 0.05 स्तर पर अधिक है। अत: पूर्व निर्धारित शून्य परिकल्पना को अस्वीकृत किया जाता है। इसलिए दोनों प्रकार के विद्यालयों के विद्यार्थियों के गृह समायोजन के मध्यमानों के मध्य सार्थक अन्तर है।केन्द्रीय एवं नवोदय विद्यालयों के विद्यार्थियों के गृह समायोजन के स्तर में सार्थक अन्तर पाया गया है।

परिकल्पना 3.0 केन्द्रीय एवं नवोदय विद्यालयों के उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के सामाजिक समायोजन में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।अग्रलिखित तालिका के द्वारा केन्द्रीय एवं नवोदय विद्यालयों के विद्यार्थियों के सामाजिक समायोजन से सम्बन्धित आंकड़ो के मध्य तुलनात्मक विवरण एवं सांख्यिकीय विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है।

तालिका संख्या 3.0: केन्द्रीय एवं नवोदय विद्यालयों के उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के सामाजिक समायोजन के मध्यमान, मानक विचलन एवं क्रान्तिक अनुपात मान का तुलनात्मक विवरण।

चर	विद्यालय	कुल विद्यार्थी	मध्यमान	मानक विचलन	सी.आर. मान	सार्थकता
सामाजिक समायोजन	केन्द्रीय विद्यालय	00	45.51	12.881	1.080	0.05 स्तर पर सार्थक नहीं है।
	नवोदय विद्यालय	200	46.99	14.429		

मध्यमान की प्रमाणिक त्रुटि (केन्द्रीय विद्यालय के विद्यार्थी) : 1.218
मध्यमान की प्रमाणिक त्रुटि (नवोदय विद्यालय के विद्यार्थी) : 1.031
प्रमाणिक त्रुटि का अन्तर (Standard error of difference) : 0.281
विद्यार्थियों की संख्या : (200+200) = 400
स्वतन्त्रता का अंश (df) : 398
क्रान्तिक अनुपात का गणनात्मक मान : 1.080
तालिका मान : 0.05 स्तर पर 1.96 एवं 0.01 स्तर पर 2.58

उपरोक्त तालिका के सांख्यिकीय विश्लेषण एवं परीक्षण का अवलोकन करने से ज्ञात हुआ कि केन्द्रीय एवं नवोदय विद्यालयों के विद्यार्थियों के सामाजिक समायोजन के मध्य क्रान्तिक अनुपात का गणनात्मक मान 1.080 प्राप्त हुआ है तथा क्रान्तिक अनुपात का गणनात्मक मान तालिका मान से सार्थकता के 0.05 स्तर पर कम है।

अत: शून्य परिकल्पना स्वीकृत की जाती है। केन्द्रीय एवं नवोदय विद्यालयों के विद्यार्थियों के सामाजिक समायोजन के स्तर में सार्थक अन्तर नही पाया गया है। दोनों विद्यालयों के विद्यार्थियों के सामाजिक समायोजन के मध्यमानों के मध्य जो अन्तर परिलक्षित हुआ है, वह सार्थक नही है।

परिकल्पना 4.0 केन्द्रीय एवं नवोदय विद्यालयों के उच्चतर माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थियों के स्वास्थ्य एवम् संवेगात्मक समायोजन में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।अग्रलिखित तालिका के द्वारा केन्द्रीय एवं नवोदय विद्यालयों में अध्ययनरत् उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के स्वास्थ्य एवं संवेगात्मक समायोजन से सम्बन्धित आंकड़ो के मध्य तुलनात्मक विवरण एवं सांख्यिकीय विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है।

तालिका संख्या 4.0: केन्द्रीय एवं नवोदय विद्यालयों के उच्चतर माध्यमिक स्तर पर अध्यनरत विद्यार्थियों के स्वास्थ्य एवं संवेगात्मक समायोजन स्तर का मध्यमान, मानक विचलन एवं क्रान्तिक अनुपात मान का विवरण।

चर	विद्यालय	कुल विद्यार्थी	मध्यमान	मानक विचलन	सी.आर. मान	सार्थकता
स्वास्थ्य एवं संवेगात्मक समायोजन	केन्द्रीय विद्यालय	200	49.53	11.527	1.151	0.05 स्तर पर सार्थक नहीं है।
	नवोदय विद्यालय	200	48.00	14.807		

मध्यमान की प्रमाणिक त्रुटि (केन्द्रीय विद्यालयों के विद्यार्थी) : 1.151
मध्यमान की प्रमाणिक त्रुटि (नवोदय विद्यालयों के विद्यार्थी) : 1.402
प्रमाणिक त्रुटि का अन्तर (Standard error of difference): 0.251
विद्यार्थियों की संख्या :(200+200) = 400
स्वतन्त्रता का अंश (df) : 398
क्रान्तिक अनुपात का गणनात्मक मान : 1.151
टी का तालिका मान : 0.05 स्तर पर 1.96

उपरोक्त तालिका का अवलोकन करने से ज्ञात हुआ है कि, केन्द्रीय एवं नवोदय विद्यालयों के विद्यार्थियों के स्वास्थ्य एवं संवेगात्मक समायोजन के मध्य सी0आर0 का गणनात्मक मान 1.151 प्राप्त हुआ है तथा क्रान्तिक अनुपात का गणनात्मक मान तालिका मान से सार्थकता के 0.01 एवं 0.05 स्तर पर कम है, जो कि सार्थक नही है।

अत: शून्य परिकल्पना स्वीकृत की जाती है। केन्द्रीय एवं नवोदय विद्यालय के विद्यार्थियों के स्वास्थ्य एवम् संवेगात्मक समायोजन के स्तर में सार्थक अन्तर नही पाया गया है।

परिकल्पना 5.0 केन्द्रीय एवं नवोदय विद्यालयों के उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के विद्यालय समायोजन में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।अग्रलिखित तालिका के द्वारा केन्द्रीय एवं नवोदय विद्यालयों के विद्यार्थियों के विद्यालय समायोजन से सम्बन्धित आंकड़ो के मध्य तुलनात्मक विवरण एवं सांख्यिकीय विश्लेषण का तालिकाकरण किया गया है।

तालिका संख्या 5.0: केन्द्रीय एवं नवोदय विद्यालयों में अध्ययनरत

उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के विद्यालय समायोजन के मध्यमान, मानक विचलन एवं क्रान्तिक अनुपात मान का तुल्नात्मक विवरण

चर	विद्यालय	कुल विद्यार्थी	मध्यमान	मानक विचलन	सी.आर. मान	सार्थकता
विद्यालय समायोजन	केन्द्रीय विद्यालय	00	46.75	11.354	0.886	0.05 स्तर पर सार्थक नहीं है।
	नवोदय विद्यालय	200	45.49	16.594		

मध्यमान की प्रमाणिक त्रुटि (केन्द्रीय विद्यालयों के विद्यार्थी) : 1.340
मध्यमान की प्रमाणिक त्रुटि (नवोदय विद्यालयों के विद्यार्थी) : 1.061
प्रमाणिक त्रुटि का अन्तर ख(Standard error of difference) : 0.376
विद्यार्थियों की संख्या :(200+200) = 400
स्वतन्त्रता का अंश (df) : 398
क्रान्तिक अनुपात का गणनात्मक मान : 0.886
टी का तालिका मान : 0.05 स्तर पर 1.96

उपरोक्त तालिका का अवलोकन करने से ज्ञात हुआ है कि, केन्द्रीय एवं नवोदय विद्यालयों के विद्यार्थियों कें विद्यालय समायोजन के मध्य क्रान्तिक अनुपात का गणनात्मक मूल्य 0.886 प्राप्त हुआ है। इस प्रकार क्रान्तिक अनुपात का गणनात्मक मान टी के तालिका मान से सार्थकता के 0.05 स्तर पर कम है।

अत: पूर्व निर्धारित शून्य परिकल्पना स्वीकृत की जाती है। केन्द्रीय एवं नवोदय विद्यालयों के विद्यार्थियों के विद्यालय समायोजन के स्तर में सार्थक अन्तर नही पाया गया है। दोनों वर्गों के विद्यालयों के विद्यार्थियों के विद्यालय समायोजन से सम्बन्धित मध्यमानों के मध्य जो अन्तर परिलक्षित हो रहा है, वह सार्थक नही है। अन्तर के कोई अन्य कारण हो सकते है।

परिकल्पना 6.0 केन्द्रीय एवं नवोदय विद्यालयों के उच्चतर माध्यमिक स्तर के छात्र एवं छात्राओं के समायोजन के समस्त आयामों के योग एवं पृथक-पृथक आयाम (गृह, सामाजिक, स्वास्थ्य एवं संवेगात्मक तथा विद्यालय समायोजन) में कोई सार्थक अन्तर नहीं है। अग्रलिखित तालिका में केन्द्रीय एवं नवोदय विद्यालयों के छात्र एवं छात्राओं के समायोजन एवं समस्त आयामों (गृह, सामाजिक, स्वास्थ्य एव संवेगात्मक तथा विद्यालय समायोजन) से सम्बन्धित आंकड़ो के मध्य तुलनात्मक विवरण एवं सांख्यिकीय विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है।

तालिका संख्या 6.0: केन्द्रीय एवं नवोदय विद्यालयों के उच्चतर माध्यमिक स्तर के छात्र एवं छात्राओं के स्वास्थ्य एवं समायोजन के समस्त आयामों के योग एवम् पृथक पृथक (गृह, सामाजिक, संवेगात्मक तथा विद्यालय समायोजन) का मध्यमान, मानक विचलन एवं क्रान्तिक अनुपात मान का विवरण।

चर	लिंग	कुल विद्यार्थी	मध्यमान	मानक विचलन	सी.आर. मान	सार्थकता
समायोजन (समस्त आयाम)	छात्र	203	187.85	43.516	2.342	0.05 स्तर पर सार्थक
	छात्रा	197	180.30	47.650		
गृह समायोजन (पृथक आयाम)	छात्र	203	44.07	14.772	1.468	सार्थक नही है0.05 स्तर पर
	छात्रा	197	41.90	14.865		
सामाजिक समायोजन (पृथक आयाम)	छात्र	203	46.09	13.285	0.232	सार्थक नही है। 0.05 स्तर पर
	छात्रा	197	46.41	14.116		
स्वास्थ्य एवं संवेगात्मक समायोजन (पृथक आयाम)	छात्र	203	49.96	13.384	1.833	सार्थक नही है। 0.05 स्तर पर
	छात्रा	197	47.53	13.097		
विद्यालय समायोजन (पृथक आयाम)	छात्र	203	47.72	13.019	1.636	सार्थक नही है। 0.05 स्तर पर
	छात्रा	197	44.47	15.228		

उपरोक्त तालिका का अवलोकन करने से ज्ञात हुआ है, कि केन्द्रीय एवं नवोदय विद्यालयों के उच्चतर माध्यमिक स्तर के छात्र एवं छात्राओं में समायोजन के समस्त आयामों पर एकत्रित आंकड़ों पर प्राप्त मध्यमानों के मध्य सार्थक अन्तर ज्ञात करने के लिए क्रान्तिक अनुपात मान की गणना की गयी। क्रान्तिक अनुपात का गणात्मक मान 2.302 प्राप्त हुआ है, जो सार्थकता के स्तर 0.05 पर अधिक है, जो सार्थक है। केन्द्रीय एवं नवोदय विद्यालयों के उच्चतर माध्यमिक स्तर के छात्र एवं छात्राओं के समायोजन के समस्त आयामों के योग के प्रदत्तों के मध्यमानों के मध्य सार्थक अन्तर प्राप्त हुआ है।

इसी क्रम में शोधकर्ता ने समायोजन के विभिन्न आयामों का पृथक-पृथक अन्वेषण करने के लिए केन्द्रीय एवं नवोदय विद्यालयों के उच्चतर माध्यमिक स्तर के छात्र एवं छात्राओं से प्राप्त आंकड़ों से मध्यमानों, मानक विचलन एवं क्रान्तिक अनुपात मान की गणना की है। समायोजन के पृथक-पृथक आयामों में गृह समायोजन, सामाजिक समायोजन, स्वास्थ्य एवं संवेगात्मक समायोजन तथा विद्यालय समायोजन के लिए प्राप्त मध्यमानों एवं मानक विचलनों पर क्रान्तिक अनुपात का गणनात्मक मान क्रमश: 1.468, 0.232, 1.833 तथा 1.636 प्राप्त हुआ है। क्रान्तिक अनुपात के आयाम के अनुसार पृथक-पृथक गणनात्मक मान का सार्थकता के स्तर 0.05 पर तालिका मान के साथ तुलनात्मक विश्लेषण करने पर ज्ञात होता है, कि क्रान्तिक अनुपात का गणनात्मक मान समायोजन के प्रत्येक आयाम पर तालिका मान से कम प्राप्त हुआ है, जिसके आधार पर कहा जा सकता है, कि लिंग के आधार पर विभक्त दोनों प्रकार के विद्यालयों के विद्यार्थियों के मध्यमानों के मध्य समायोजन के पृथक-पृथक आयामों में सार्थक अन्तर नही है।

अत: निर्धारित परिकल्पना निरस्त की जाती है। परिणाम स्वरूप केन्द्रीय एवं नवोदय विद्यालयों के उच्चतर माध्यमिक स्तर के छात्र एवं छात्राओं के के समायोजन के समस्त आयामों के मध्य कुल योग के आंकड़ों के मध्य सार्थक अन्तर है, परन्तु पृथक-पृथक आयामों के रूप में समायोजन के आयामों में सार्थक अन्तर नहीं है। जिसका तात्पर्य यह है, कि लिंग के आधार पर विभक्त दोनों प्रकार के विद्यालयों के विद्यार्थियों में समायोजन के समस्त आयामों के कुल योग के आंकड़ो तथा पृथक-पृथक रूप में प्राप्त आंकड़ों के अनुरूप लिंग का समयोजन पर सार्थक प्रभाव पड़ता है।

परिकल्पना 7.0 केन्द्रीय एवं नवोदय विद्यालयों के उच्चतर माध्यमिक स्तर के कला एवं विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों के समायोजन एवं समायोजन के पृथक-पृथक आयामों (गृह, सामाजिक, स्वास्थ्य एवं संवेगात्मक तथा विद्यालय समायोजन) में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

अग्रलिखित तालिका में केन्द्रीय एवं नवोदय विद्यालयों के कला एवं विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों के समायोजन एवं समायोजन के पृथक-पृथक आयामों (गृह, सामाजिक, स्वास्थ्य एव संवेगात्मक तथा विद्यालय समायोजन) से सम्बन्धित आंकड़ो के मध्य तुलनात्मक विवरण एवं सांख्यिकीय विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है।

तालिका संख्या 7.0: केन्द्रीय एवं नवोदय विद्यालयों के उच्चतर माध्यमिक स्तर के कला एवं विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों के समायोजन के योग एवं पृथक-पृथक आयामों (गृह, सामाजिक, स्वास्थ्य एवं संवेगात्मक तथा विद्यालय समायोजन) का मध्यमान, मानक विचलन एवं क्रान्तिक अनुपात मान का विवरण।

चर	विषय	कुल विद्यार्थी	मध्यमान	मानक विचलन	सी.आर. मान	सार्थकता
समायोजन (समस्त आयामों का योग)	कला वर्ग	194	188.84	48.004	2.012	**0.05 स्तर पर सार्थक**
	विज्ञान वर्ग	206	182.78	44.453		
गृह समायोजन	कला वर्ग	194	42.47	15.004	0.697	0.05 स्तर पर सार्थक नही
	विज्ञान वर्ग	206	43.50	14.701		
सामाजिक समायोजन	कला वर्ग	194	46.09	14.061	0.230	0.05 स्तर पर सार्थक नही
	विज्ञान वर्ग	206	46.40	13.352		
स्वास्थ्य एवं संवेगात्मक समायोजन	कला वर्ग	194	48.02	13.519	1.081	0.05 स्तर पर सार्थक नही
	विज्ञान वर्ग	206	49.46	13.050		
विद्यालय समायोजन	कला वर्ग	194	45.79	14.018	0.452	0.05 स्तर पर सार्थक नही
	विज्ञान वर्ग	206	46.43	14.447		

उपरोक्त तालिका का अवलोकन करने से ज्ञात हुआ है, कि केन्द्रीय एवं नवोदय विद्यालयों के कला एवं विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों में समायोजन (समस्त आयामों) के समेकित आँकड़ों पर प्राप्त मध्यमानों के मध्य सार्थक अन्तर ज्ञात करने के लिए क्रान्तिक अनुपात मान की गणना की गयी। सी0आर0 का गणात्मक मान 2.012 प्राप्त हुआ है, जो सार्थकता के स्तर 0.05 पर अधिक है। अत: कला एवं विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों के मध्य समायोजन के समेकित प्रदत्तों के मध्य सार्थक अन्तर पाया गया है। समायोजन के आयामों पर पृथक-पृथक रूप में क्रान्तिक अनुपात का मान क्रमश: 0.697, 0.230, 1.081 तथा 0.452 प्राप्त हुए हैं, जो कि तालिका के मान के स्तर 0.05 पर कम है। निष्कर्ष के रूप में कहा जा सकता है कि केन्द्रीय एवं नवोदय विद्यालयों के उच्चतर माध्यमिक स्तर के कला एवं विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों के समायोजन के आयाम क्रमश: गृह, सामाजिक, स्वास्थ्य एवं संवेगात्मक समायोजन के लिए अन्तर सार्थक नहीं हैं। उपरोक्त विवेचन के आधार पर कहा जा सकता है कि विषय वर्ग के आधार पर विभक्त दोनों प्रकार के विद्यालयों के विद्यार्थियों के मध्यमानों के मध्य समायोजन के पृथक-पृथक आयाम में सार्थक अन्तर नही पाया गया है।

अत: निर्धारित शून्य उप-परिकल्पना निरस्त की जाती है। परिणाम स्वरूप केन्द्रीय एवं नवोदय विद्यालयों के उच्चतर माध्यमिक स्तर के कला एवं विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों के समायोजन के समेकित आंकड़ों के मध्यमानों के मध्य सार्थक अन्तर पाया गया परन्तु समस्त आयामों के पृथक-पृथक रूप में सार्थक अन्तर नही है। जिसका तात्पर्य यह है, कि विषय वर्ग के आधार पर विभक्त दोनों प्रकार के विद्यालयों के विद्यार्थियों में समायोजन के पृथक-पृथक आयामों के प्रदत्तों पर प्राप्त मध्यमानों के मध्य सार्थक अन्तर नही है।

शोध निष्कर्ष:

1.0 केन्द्रीय एवं नवोदय विद्यालयों के उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के समायोजन स्तर में सार्थक अन्तर है।

2.0 केन्द्रीय एवं नवोदय विद्यालयों के उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के गृह समायोजन के स्तर में सार्थक अन्तर है।

3.0 केन्द्रीय एवं नवोदय विद्यालयों के उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के सामाजिक समायोजन में सार्थक अन्तर नहीं है।

4.0 केन्द्रीय एवं नवोदय विद्यालयों के उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के स्वास्थ्य एवं संवेगात्मक समायोजन में सार्थक अन्तर नहीं पाया गया है।

5.0 केन्द्रीय एवं नवोदय विद्यालयों के उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के विद्यालय समायोजन में सार्थक अन्तर नहीं पाया गया है।

6.0 केन्द्रीय एवं नवोदय विद्यालयों के उच्चतर माध्यमिक स्तर के छात्र एवं छात्राओं के विद्यार्थियों के समायोजन के समस्त आयामों के कुल योग एवम् के प्रदत्तों में सार्थक अन्तर है, परन्तु पृथक-पृथक आयामों के प्रदत्तों पर प्राप्त मध्यमानों के मध्य सार्थक अन्तर नहीं है।

7.0 केन्द्रीय एवं नवोदय विद्यालयों के उच्चतर माध्यमिक स्तर के कला एवं विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों के समायोजन के समेकित प्रदत्तों के मध्य अन्तर सार्थक है, परन्तु एवं समस्त आयामों के मध्य पृथक-पृथक रूप में सार्थक अन्तर नही पाया गया है।

संदर्भ ग्रन्थ सूची:-

1. **उषा, एस.ए. (2001),** तनाव और व्यक्तित्व का सामाजिक-मनोवैज्ञानिक अध्ययन, *इंडियन जर्नल ऑफ सोशियोलॉजी,* वॉल्यूम- 45, 26-29।
2. **कौर एच, चावला ए. (2018),** किशोरों के बीच शैक्षणिक चिंता और स्कूल समायोजन का एक अध्ययन, *इंडियन जर्नल ऑफ साइकियाट्रिक सोशल वर्क*, वॉल्यूम- 9(2) 106-10।
3. **गुप्ता, एम. और गुप्ता, आर. (2011),** बालक एवं बालिकाओं का समायोजन एवं शैक्षिक उपलब्धि, *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बिजनेस एंड मैनेजमेंट रिसर्च,* वॉल्यूम- 1(1), 29-33.
4. **गुप्ता, एस0 पी0 (2015),** अनुसंधान संदर्शिका: सम्प्रत्य, कार्यविधि एवं प्रविधि, शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद, आईएसबीएन- 978-93-80285-64-1 पेज संख्या 345-362।
5. **गहलावत, एम. (2011),** हाई स्कूल के छात्रों के बीच उनके लिंग के संबंध में समायोजन का अध्ययन, *अंतर्राष्ट्रीय संदर्भित शोध जर्नल,* वॉल्यूम- 3(33), 14-15।
6. **चेन, एक्स. एट अल., (2005),** विभिन्न सामाजिक परिवर्तनों के

बीच समायोजन, *होम इकोनॉमिक रिसर्च जर्नल,* वॉल्यूम- 15(4), 247-255।

7. **चौरसिया, बी0 (2018),** प्रबंधन शिक्षा में अध्ययनरत् शहरी एवं ग्रामीण विद्यार्थियों के समायोजन का तुलनात्मक अध्ययन, *शोध समीक्षा,* वॉल्यूम- 7(9), 1-4.
8. **जैन, प्रभा और जंदु, कृष्णा, (1998),** किशोर लड़कियों और लड़कों के स्कूल समायोजन का एक तुलनात्मक अध्ययन, जे. एडु. रेस. विस्तार, वॉल्यूम- 35(2), 14-21।
9. **जोशी (2002),** अनुसूचित जाति, जनजाति एवं सामान्य वर्ग के अध्यापकों के मूल्य, आकांक्षा, शैक्षिक उपलब्धि व समायोजन का तुलनात्मक अध्ययन, *पी-एच.डी. इन ऐजूकेशन, हेमवती नन्दन बहुगुणा गढवाल यूनिवर्सिटी,* श्रीनगर।
10. **डेक ए, एस. (2017),** माध्यमिक विद्यालयों की किशोरियों में समायोजन की समस्याएँ, *मल्टी डिसिप्लिनरी फील्ड में इनोवेटिव रिसर्च के लिए इंटरनेशनल जर्नल,* वॉल्यूम- 3(8), 191-195।
11. **डेमिर मेलिकसा, उरबर्ग (2004),** किशोरों के बीच मित्रता और समायोजन, *जर्नल ऑफ एक्सपेरिमेंटल चाइल्ड साइकोलॉजी,* वॉल्यूम- 88, पृ. 68-82.
12. **तिवारी, एम. (2018),** सतना जिले के उच्च माध्यमिक स्तर पर शाला समयोजन का विज्ञान समूह के छात्र और छात्राओ के शिक्षण अधिगम पर पढ़ने वाले प्रभाव का अध्ययन, *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंस रिसर्च,* वॉल्यूम- 4(5), 59-61।
13. **देव, पी0 (2013),** सहपाठी मित्रों के संबंधों के संबंध में पूर्वस्कूली बच्चों के सामाजिक-भावनात्मक समायोजन स्तरों का एक अध्ययन, *पीएमसी,* वॉल्यूम- 41(5) 1170-1186।
14. **दत्ता, एम, बाराथा, जी और गोस्वामी, यू (1997),** किशोरों का स्वास्थ्य समायोजन *इंडस्ट्रीज साइक रेव,* वॉल्यूम- 48(2) 48(3) 84-86।
15. **नीलम एण्ड भारद्वाज (2023),** ए कम्पेरेटिव स्टडी ऑफ ऐडजेस्टमेंट ऑफ गर्ल्स स्टूडेन्ट्स, स्टडिंग इन को-एजुकेशन एण्ड गलर्स इंस्टीट्यूशन, पीएच0डी0 थीसिस, एजुकेशन डिपार्टमेन्ट, सी0सी0एस0 यूनिवर्सिटी, मेरठ।
16. **परमेश्वरन, ई.जी. (1957),** प्रारंभिक किशोर लड़कों के एक समूह का सामाजिक समायोजन, *जर्नल ऑफ साइकोलॉजी रिसर्च,* वॉल्यूम- 1(3), 29-45।
17. **पान्चालिंगप्पा, नगप्पा शाहपुर (2004),** स्टडी हेबिट्स, फैमिली क्लाईमेट, एडजेस्टमेन्ट एण्ड एकेडमिक एचीवमेन्ट ऑफ चिल्ड्रन ऑफ देवदासिस, *क्रिस्ट इन एजूकेशन,* वॉल्यूम- 28(4)।
18. **प्लोमिन, रॉबर्ट, डेनियल, डेनिस (2011),** एक ही परिवार में बच्चे एक दूसरे से इतने अलग क्यों होते हैं? *इंटरनेशनल जर्नल एपिडेमियोल,* वॉल्यूम- 40(3) 563-582।
19. **भारद्वाज, जे.एस. व भारती, मेघा (2010),** कम्पेरेटिव स्टडी ऑफ ऐजूकेशनल ऐसपीरेशन ऑफ स्टूडेन्ट स्टडिंग इन हाई स्कूल इन सी.बी.एस.ई. एण्ड यू.पी. बोर्ड, *एम.एड. डेजरटेशन डिपार्टमेन्ट ऑफ ऐजूकेशन,* सी.सी.एस. यूनिवर्सिटी, मेरठ।
20. **भारद्वाज,जे.एस. व सिंह, बिजेन्द्र (2011),** सरकारी तथा स्ववित्तपोषित विद्यालयों के विद्यार्थियों की समायोजन क्षमता व शैक्षिक आकांक्षा स्तर का तुलनात्मक अध्ययन, *एम.एड. डेजरटेशन शिक्षा विभाग,* चौ. चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ।
21. **भारद्वाज, जे.एस. व ज्ञानेश (2011),** ऐ कम्पैरेटिव स्टडी ऑफ वोकेशनल इन्टरेस्ट ऑफ टेन्थ ग्रेड स्टूडेन्स विद रिलेशन टू देअर सोसियो ईकोनोमिक स्टेटस, ए*म.एड. डेजरटेशन डिपार्टमेन्ट ऑफ ऐजूकेशन,* सी.सी.एस. यूनिवर्सिटी, मेरठ।
22. **भारद्वाज डी0के0 व शर्मा एम0 (2013),** उच्चतर माध्यमिक स्तर के छात्रों के शैक्षिक व व्यवसायिक अकांक्षा स्तर, समायोजन एवं शैक्षिक उपलब्धि का तुलनात्मक अध्ययन, प्रकाशित शोध ग्रन्थ चौ0 चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ, शोध ज्ञानान्तिका, अप्रैल 2013
23. **मित्तल वी.के. (2008)** मैनुअल फार ऐडजेस्टमेन्ट इनवेन्टरी, मनोविज्ञान केन्द्र नूनिया स्ट्रीट मेरठ कैन्ट।
24. **मंगदा, एस0 (2021),** 'उच्च माध्यमिक विद्यार्थियों की सामाजिक समायोजन क्षमता का अध्ययन', *विज्ञान और प्रौद्योगिकी में वैज्ञानिक अनुसंधान के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल,* आई.एस.एस.एन. -2395-6011 ऑनलाइन आई.एस.एस.एन. 2395-602.
25. **माहेश्वरी, वी0 एवं यादव, आर0 (2018),** कॉलेज स्तर की लड़कीयों पर योग प्रेक्षा का समायोजन पर प्रभाव, *इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ योगा एण्ड एप्लाइड रिसर्च,* वॉल्यूम- 7(1), 45-52.
26. **मेहता एवं खन्ना (2015),** स्नातक स्तर के विद्यार्थियों की संवेगात्मकता, परिपक्वता एवं समायोजन का तुलनात्मक अध्ययन, पीएच0डी0 थीसिस, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।**रजा, एस. एवं अन्य (2005),** किशोर बाकिकाओ के समग्र समयोजन का अध्ययन, *रिसर्च लिंक जर्नल,* 19 (iv) (2), 107-110।
27. **राजू तथा टी0 ख्वाजा रहमतुल्ला, (2007),** 'एडजेस्टमेन्ट प्रोब्लम्स अमंग स्कूल स्टूडैन्ट' *जनरल ऑफ दी इंडियन एकेडमी ऑफ साईक्लोजी,* वोल्यूम- 33, पृष्ठ 73-79।
28. **रानी, आर0 (2017),** अम्बाला मण्डल के सरकारी एवं निजी माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के समस्याओं का उनके समायोजन पर पडने वाले प्रभाव का अध्ययन, *इण्टरनेशनल रिसर्च जर्नल ऑफ कॉमर्स एण्ड साइन्स,* वॉल्यूम- 8(1), 22-29.
29. **रानी, सरला, अंजलि, सुदेश, ऊषा (2023),** ए स्टडी ऑफ ऐकेडमिक अचीवमेन्ट ऑफ सैकेण्डरी स्कूल स्टूडेन्ट्स इन रिलेशन टू सेल्फ कॉन्सेप्ट, प्रकाशित दा इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ इण्डियन साइकोलॉजी, वॉल्यूम-11, इश्यू-2, अप्रैल से जून 2023
30. **रॉय, बी. घोष, एस.एम. (2012),** प्रारंभिक और दिवंगत किशोर स्कूली छात्रों के बीच समायोजन का पैटर्न, *अंतर्राष्ट्रीय अनुक्रमित और संदर्भित अनुसंधान जर्नल,* वोल्यूम- 4(42), 20-21।
31. **लाजवन्ती (2004),** एस्पीरेशन एण्ड एडजेस्टमेन्ट एज एसोसियेटिड विद हियरिंग इमपेयेरेड एण्ड नॉर्मल चिल्ड्रन, *बिहेविरल साइटिस्ट,* वोल्यूम - 5(1), 25-30।
32. **लामा, एम. (2010),** कॉलेज फ्रेशमैन का समायोजन लिंग और निवास स्थान का महत्व, *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइकोलॉजिकल स्टडीज,* वोल्यूम- 2(1) 142-150।
33. **लिटिल (2010),** जोखिमपूर्ण जीवन व्यतीत करने वाले बच्चों को

निर्णय क्षमता पर अभिभावकों के सहयोग एवम् प्रोत्साहन के प्रभाव का अध्ययन, अप्रकाशित शोध ग्रन्थ।

34. **ललित आर्य, भारद्धाज, जे0एस0 (2016),** सामाजिक अनुसंधान के तरीके, बुक ओशियन पब्लिकेशन, वाराणसी, पृ0सं0 39-45।
35. **शकील, एस., और नजीर, एस. (2016),** दृष्टिबाधित और आंशिक दृष्टि वाले किशोरों के बीच सामाजिक भावनात्मक और शैक्षिक समायोजन, *क्रेस्ट इंटरनेशनल मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च जर्नल,* वोल्यूम- 5(1), आई.एस.एस.एन. 2278-4497।
36. **शर्मा, सुनीता (2006).** विभिन्न संकायों में अध्ययनरत स्नातक स्तर के विद्यार्थियों की आकांक्षा, दुश्चिंता एवं समायोजन के अन्तर एवं प्रभावित करने वाले कारकों का अध्ययन, अप्रकाशित शोध ग्रंथ, *श्री स्वरूप गोविन्द पारीक स्नाकोत्तर शिक्षा महाविद्यालय,* सम्बद्ध राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर।
37. **शर्मिला एवं सालोमन (2020)** उच्च माध्यमिक स्तर की कन्याशाला एवं सहशिक्षा में अध्ययनरत् छात्राओं की सामाजिक समायोजन का तुलनात्मक अध्ययन, *इण्टरनेशनल जर्नल ऑफ रिवयू एडं रिसर्च इन सोशल साइन्स*, वोल्यूम -8 (3) पेज संख्या 145-152।
38. **सिंह (2018),** माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर समायोजन के प्रभाव अध्ययन, *चेतना,* वोल्यूम 3 पेज संख्या 195-199।
39. **सिंह, ए. के. (2012),** उन्नत सामान्य मनोविज्ञान. प्रकाशन के रूप में दिल्ली, मोतीलाल, बनारसी।
40. **सिंह, एन. (2016),** स्कूली छात्रों के सामाजिक समायोजन पर स्कूल के वातावरण के प्रभावों का एक अध्ययन, *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लिनरी एजुकेशन एंड रिसर्च,* वोल्यूम- 1(2), 31-34
41. **सिंह और ढींगरा (2017),** कॉलेज जाने वाले प्रथम वर्ष के छात्रों के बीच गृह, स्वास्थ्य, सामाजिक और भावनात्मक समायोजन, *जी.जे.आर.ए. ग्लोबल जर्नल फॉर रिसर्च एनालिसिस,* वॉल्यूम -6, अंक-3 आई.एस.एस.एन. नंबर 2277-8160।
42. **सिंह, टी0 (2016),** उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की आत्मसिद्धि एवं समायोजन का विश्लेषण, *इन्टरनेशनल जनरल ऑफ रिसर्च इन हयूम्नटिस एण्ड सोशल साइस*, वोल्यूम- 4(5).
43. **सिंह, रितु, पंत, कुशा, वेलेंटीना, एल. (2013),** सीनियर स्कूल किशोरों की सामाजिक और भावनात्मक परिपक्वता पर लिंग, भेद के आधार पर अध्ययन, पंतनगर केस स्टडी, कमला राजा, *छात्र गृह विज्ञान*, 7(प) 1-6.
44. **सुरेखा (2008),** 'विद्यार्थियों के समायोजन एवं शैक्षिक उपलब्धि में सम्बन्ध,' एडुट्रेक्स, मार्च, पृष्ठ. 26-31।
45. **सरकार, एस0 एवं बानिका, एस0 (2017)**, विद्यार्थियों के समायोजन और शैक्षिक उपलब्धि पर एक अध्ययन, *अनुसंधान ग्रन्थालय अंतराष्ट्रीय पात्रिका*, वोल्यूम- 5(6) 659-668।
46. **हेनरी, विलियम (2005),** किशोरों का आत्म विश्लेषण और सामाजिक समायोजन, *इंडियन जर्नल ऑफ क्लिनिकल साइकोलॉजी,* वोल्यूम- 10(387-399)।
47. **हुसैन, ए., कुमार, ए., और हुसैन, ए. (2008),** हाई स्कूल के छात्रों के बीच शैक्षणिक तनाव और समायोजन, *जर्नल ऑफ द इंडियन एकेडमी ऑफ एप्लाइड साइकोलॉजी*, वोल्यूम- 34, 70-73

****